शुक्रवार
01 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 97
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जाम से जूझ रहा है एक्सप्रेस वे व मसूरी रोड

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में जाम की समस्या कोई नई बात नहीं है। वीकएंड पर या गर्मियों की छुट्टियां बिताने देहरादून या मसूरी आने वाले पर्यटकों को इन दिनों जाम की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। जाम की इस समस्या को निपटाने की लाख कोशिशों के बावजूद इस समस्या का स्थाई समाधान अब तक प्रशासन को नहीं मिल सका है। इसके चलते आज जहां दिल्ली से दून आने वाले एक्सप्रेसवे पर कई किलोमीटर जाम की समस्या का पर्यटकों को सामना करना पड़ा वहीं मसूरी में भी लोगों को इस समस्या से दो चार होना पड़ रहा है।

विदित हो कि राज्य गठन के साथ ही राजधानी देहरादून में पर्यटकों व आम लोगों का आवागमन बढ़ने लगा है। वहीं शिक्षा का हब कहे जाने वाले देहरादून में बाहरी राज्यों के छात्र-छात्राए भी पढ़ने के लिए आये। अधिकतर इन सभी पर्यटकों व आम लोगों के पास वाहन की कोई कमी नहीं है। लेकिन इसके चलते लोगों को जाम की समस्या से भी आये दिन दो-चार होनेा पड़ता है। बात अगर राज्य प्रशासन की करें तो यहां तैनात होने वाला हर अधिकारी अपनी पहली जिम्मेदार जाम पर फोकस रखने की करता है। लेकिन यहां आये दिन लगने वाले जाम के हालात देखकर उसकी भी पेशानी पर कुछ ही दिनों में बल पड़ जाते है।

यूं तो जाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए राज्य प्रशासन द्वारा कई फ्लाई ओवर बना दिये गये है लेकिन इससे भी इस भीमकाय समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका है।

वीकएंड पर यह समस्या बड़ा विकराल रूप ले लेती है। जिससे निजात पाने पर प्रशासन के पसीने छूट जाते है। ऐसा ही जाम आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे में देखने को मिला जहां पर्यटकों को कई कई घंटे जाम की समस्या से दो चार होना पड़ा है। वहीं बात पहाड़ो की रानी मसूरी की करें तो लोगों का कहना था कि यहां भी कई किलोमीटर का जाम लगा हुआ है। ऐसे में इस समस्या का समाधान कभी हो सकेगा यह आने वाला समय ही बतायेगा?

पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर पहुंचा थाने!

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नाजायज सम्बन्धों के शक के चलते एक व्यक्ति ने आवेश आकर अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से काट कर हत्या कर दी गयी। हत्या के बाद हत्यारा पति खुद थाने पहुच गया जहां उसके द्वारा आत्मसर्मपण कर दिया गया। वहीं पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल मौके पर पहुच कर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है।

हत्या का यह मामला जनपद पिथौरागढ़ के अस्कोट क्षेत्रांर्तगत ग्राम द्वालीसेरा का है। यहां आज सुबह भुवन प्रसाद (42) निवासी ग्राम द्वालीसेरा द्वारा अपनी पत्नी गीता देवी (उम्र 38 वर्ष) की कथित अवैध

संबंधों के शक में कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई।

घटना के बाद आरोपी स्वयं चौकी पीपली पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं मामले की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुरेश कम्बोज मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा मृतका का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ भेजा गया। वहीं पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। वहीं इस दुस्साहसिक घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस व फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किये गये है। वहीं आरोपी को मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

चौथी बार ममता सरकार

पश्चिम बंगाल में किसकी सरकार? इस सवाल का जवाब जहां तमाम एग्जिट पोल एजेंसियां और टीवी चैनलों के पत्रकार मतदान संपन्न होने के बाद से जुटे हुए हैं वहीं इस बीच खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना 9 मिनट का ऑडियो जारी कर सभी एग्जिट पोल नतीजो को गलत बताते हुए कहा है कि इस बार टीएमसी को 224 सीटों पर जीत मिलने जा रही है। और वह चौथी बार सरकार बनाएंगे। इस घोषणा से पूर्व उन्होंने अपनी पार्टी के तमाम बड़े नेताओं के साथ बैठक की और एक-एक सीट की गहन समीक्षा की। यहां यह उल्लेखनीय बात है कि जिन सात एजेंसियों के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए हैं उनमें से सिर्फ दो को छोड़कर पांच ने भाजपा की सरकार बनने की बात कही गई है। लेकिन खास बात यह है कि सभी ने ममता की टीएमसी को बहुमत से 10 20 सीटे ही पीछे दिखाया है और भाजपा को बहुमत से 10-20 सीटें आगे या बहुमत के बिल्कुल करीब लाकर खड़ा किया है। टीएमसी को 100 से ऊपर तथा 140 सीटों तक हासिल करने का दावा करने वाले इस आकलन को इसलिए भी सही नहीं माना जा सकता है क्योंकि एग्जिट हमेशा गलत तो साबित होते ही रहे हैं उनमें 15-20 प्रतिशत तक ऊपर नीचे होना स्वाभाविक है जिनके बारे में यह कह दिया जाता है कि यह अनुमान ही तो था। जो एक सही बात भी है। असली नतीजे तो 4 मई को ही आएंगे। ममता बनर्जी का आरोप यह भी है कि यह एग्जिट पोल सरकार द्वारा प्रायोजित है। उन्होंने अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को यह भी कहा है कि वह इनसे प्रभावित न हो न उन्हें निराश होने की जरूरत है इसके पीछे भाजपा की नियत चुनाव परिणाम या फिर गिनती में धांधली करने का खेल भी हो सकता है इसलिए सड़कों पर निकले तथा मशीनों की सुरक्षा पर नजर बनाकर रखें। भले ही इस दौर में पांच राज्यों में चुनाव हुए हैं लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनाव पर पूरे देश की नजरें लगी हुई हैं। अगर इस चुनाव में ममता हार जाती है तब भी और बीजेपी हारती है तब भी देश की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत होना तय माना जा रहा है। जिस तरह केंद्र की भाजपा सरकार ने ममता की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की और पूरे राज्य को छावनी में तब्दील कर दिया गया और पूरे राज्य के प्रशासनिक अमले को बदल दिया गया और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा टीएमसी कार्यकर्ताओं को गुंडा कहते हुए उन्हें उल्टा लटका कर सीधा करने की धमकी दी गई वह किसी भी चुनाव में किए जाने वाला पहला प्रयोग है। इस चुनाव में अगर भाजपा का यह प्रयोग सफल हो जाता है तो आने वाले समय में सभी राज्यों को इसी तरह संगीनों के साए में मतदान करने के लिए तैयार रहना होगा जहां दूसरे राज्यों के पुलिस अधिकारी सूबे की पुलिस जनता तथा उम्मीदवारों को धमकाते दिखेंगे। बंदूक की नोक पर कैसे चुनाव जीता जाता है भाजपा इसकी शुरुआत बंगाल से कर सकती है लेकिन ममता अगर इसका मुकाबला करने में सफल हो जाती है तो भाजपा की जीत की गारंटी पर भी विराम लगना लाजमी है और यह भाजपा के अजेय समझे जाने वाले विजय रथ को रोकने की शुरुआत ही होगी। इन सभी पांच राज्यों के नतीजे 4 मई को आ जाएंगे। भले ही एग्जिट पोल के नतीजे कुछ भी दिखा रहे हो असली नतीजे ही बताएंगे कि मोदी का मतलब अभी भी जीत की गारंटी रहा है या नहीं? यह नतीजे देश की राजनीति को कोई नई दिशा देने वाले साबित होंगे भी या नहीं।

मजदूर दिवस पर कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ द्वारा घंटाघर में 'श्रमिक सम्मान कार्यक्रम' आयोजित

कांग्रेस सरकार बनने पर प्रदेश में किसी गरीब की झोपड़ी नहीं टूटने देंगे:धस्माना

संवाददाता

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ ने श्रमिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत ध स्माना ने कहा कि कांग्रस सरकार बनने पर प्रदेश में किसी गरीब की झोपडी नहीं टूटने देंगे। आज यहां अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर राजधानी देहरादून में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के द्वारा घंटाघर में श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सदस्य एआईसीसी व प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने महिला श्रमिकों को सूट भेंट किए व पुरुष श्रमिकों को गमछा पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर एकत्रित श्रमिकों को संबोधित करते हुए धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब भी सत्ता व सरकार में रहती है चाहे केंद्र में या फिर प्रदेश में वो हमेशा सबसे पहले देश के गरीबों श्रमिकों वंचितों के बारे में चिंता करती है और उनके हितों के लिए नीतियां व कार्यक्रम बनती हैं। धस्माना ने कहा कि देश में व उत्तराखंड में आज भाजपा की सरकारें गरीब विरोध ी नीतियां बना रही है और गरीबों से रोजगार व उनकी छत छीनी जा रही है। धस्माना ने कहा कि कोरोना काल में अगर सबसे ज्यादा कोई परेशान हुआ तो देश का मजदूर परेशान हुआ जिसे देश के अलग अलग हिस्सों से हजारों किलोमीटर चल कर अपने घरों को पैदल जाना पड़ा और आज अमरीका ईरान युद्ध के कारण भी जो रसोई गैस की किल्लत है उससे सबसे ज्यादा प्रभावित कोई है तो वो मजदूर है जिसे चूल्हा जलाना असंभव हो गया है और इसके कारण एक बार फिर उसे अपनी ध्याड़ी मजदूरी छोड़ कर अपने घरों को पलायन करना पड़ रहा है।

कांग्रेस के लिए 'टर्निंग प्वाइंट'

कांग्रेस पार्टी मिशन उत्तराखंड

●संगठन में जान फूंकेगी कुमारी शैलजा, कांग्रेस में हलचल तेज
●संगठन मजबूती और चुनावी रणनीति पर रहेगा खास फोकस
●चुनाव से पहले आंतरिक मतभेद सार्वजनिक होने से बचाना

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में नई ऊर्जा भरने और सांगठनिक बिखराव को रोकने के लिए कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा छह मई से प्रदेश के दौरे पर है। सूत्रों की माने तो उत्तराखंड कांग्रेस पिछले कुछ समय से गुटबाजी और आंतरिक असंतोष की चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में कुमारी शैलजा का दौरा 'डैमेज कंट्रोल' के तौर पर भी देखा जा रहा है। वह प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर संगठनात्मक समन्वय पर जोर देंगी। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि चुनाव से पहले किसी भी तरह का आंतरिक मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने न आए।

सूत्रों की मानें तो कुमारी शैलजा के इस दौरे का मुख्य एजेंडा पार्टी के भीतर चल रही अंतर्कलह को शांत करना है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के बीच तालमेल की कमी जगजाहिर है। प्रभारी का प्रयास होगा कि सभी गुटों को एक मंच पर लाकर एकजुट कांग्रेश का संदेश दिया जाए। कुमारी शैलजा का कार्यक्रम सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहेगा। वह कार्यकर्ता सम्मेलनों और जनसभाओं को भी संबोधित करेंगी, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़े।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुमारी शैलजा का सख्त मिजाज और संगठनात्मक अनुभव उत्तराखंड कांग्रेस के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है, जहाँ भाजपा अपनी डबल इंजन सरकार के कार्यों को गिना रही है, वहीं शैलजा का दौरा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश है कि पार्टी अभी भी मुख्य मुकाबले में मजबूती से खड़ी है।

इसके साथ ही उत्तराखंड में आगामी चुनाव से पहले कुमारी शैलजा का दौरा कांग्रेस के लिए 'टर्निंग प्वाइंट' साबित हो सकता है। अगर यह दौरा संगठन में एकजुटता और कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा करने में सफल रहता है, तो कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को नई दिशा मिल सकती है।अब देखना होगा कि यह दौरा सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाता है या वास्तव में पार्टी के लिए मजबूत राजनीतिक आधार तैयार करता है।

कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा अपना 6 मई से अपना गढ़वाल मंडल का दौरा करने जा रही हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से तैयार है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी)षिकेश से लेकर बदरीनाथ, केदारनाथ और टिहरी के दौरे पर आ रही हैं।

पहाड़ बनाम मैदान का बदलता संतुलन

❑क्षेत्रीय असंतुलन चुनावी रणनीतियों को करेगा चुनाव में प्रभावित
❑हालिया निकाय चुनावों में निर्दलीयों की जीत से बढ़ी दलों की चिंता
❑भाजपा के मजबूत बूथ मैनेजमेंट पर कांग्रेस की रणनीति है कमजोर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में राजनीति के नजरिए से प्रदेश की असली बात न हो तो फिर क्या बात हो सकती है। प्रदेश की सरकारों के एसी रूमों में बनी रणनीतियों के चलते आज पहाड़ खाली हो गये हैं और मैदान ओवरफ्लो। इससे साफ जाहिर होता है कि इसके दुष्परिणाम क्या होंगे। उत्तराखंड का चुनावी गणित हमेशा से 'पहाड़ बनाम मैदान' के संतुलन पर टिका रहा है। मैदानी क्षेत्रों में जहां जनसंख्या अधिक है, वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में मुद्दे अलग और अधिक संवेदनशील होते हैंकृजैसे पलायन, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाएं। इस बार भी यही क्षेत्रीय असंतुलन चुनावी रणनीतियों को प्रभावित कर रहा है।

यह साल विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल है और इस साल सत्ता के गलियारों से निकलकर पहाड़ की कंदराओं तक राजनेताओं के पहुंच का सिलसिला शुरू हो गया है। सूबे में एक ओर जहां भाजपा अपने विकास कार्यों और हिंदुत्व के एजेंडे को धार दे रही है, जबकि कांग्रेस छोटे क्षेत्रीय दलों और निर्दलीयों के साथ मिलकर एक नया विकल्प पेश करने की फिराक में है। चुनावी साल में भाजपा और कांग्रेस के लिए हर बार नई मुसीबते सामने आती हैं। इस बार भी ऐसा लगता है कि छोटे दलों की सक्रियता फिर से इन दलों को परेशान कर सकती है।

चुनावी साल में भाजपा जहाँ अपने मिशन रिपीट के जोश को बरकरार रखने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए नई रणनीति बुन रही है। हालिया निकाय चुनावों में भाजपा ने नगर निगमों और पालिकाओं में बढ़त तो बनाई, लेकिन निर्दलीयों की बड़ी जीत ने दोनों प्रमुख दलों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर पहाड़ी जिलों में निर्दलीय प्रत्याशियों का दबदबा यह संकेत देता है कि जनता अब केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के स्थानीय रसूख और काम पर मुहर लगा रही है।

विपक्ष में बैठी कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती आंतरिक गुटबाजी को खत्म करना है। हालांकि, बेरोजगारी, भू-कानून और अंकिता भंडारी प्रकरण जैसे मुद्दों पर पार्टी ने सरकार को घेरने की कोशिश की है, लेकिन संगठन के स्तर पर अभी भी कांग्रेस को एक ऐसी धार की तलाश है जो भाजपा के मजबूत बूथ मैनेजमेंट का मुकाबला कर सके।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में सत्ता और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी रणनीतियों को धार दे रहे हैं। लेकिन इस बार का चुनाव पारंपरिक मुद्दों से आगे बढ़कर 'नए समीकरणों' और 'बदलते मतदाता व्यवहार' का चुनाव बनता दिख रहा है। राज्य में सत्तारूढ़ दल के सामने सबसे बड़ा सवाल एंटी-इंकम्बेंसी को लेकर है। मतदाता अब सिर्फ घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव के आधार पर निर्णय लेने के मूड में दिखाई दे रहा है।

उत्तराखंड की राजनीति में समय-समय पर तीसरे विकल्प की चर्चा होती रही है। क्षेत्रीय दल और निर्दलीय उम्मीदवार कुछ सीटों पर प्रभाव डाल सकते हैं, खासकर वहां जहां स्थानीय मुद्दे और उम्मीदवार की व्यक्तिगत पकड़ मजबूत होती है। हालांकि, पूरे राज्य में तीसरे मोर्चे का प्रभाव सीमित ही रहने की संभावना है, लेकिन यह बड़े दलों के वोट शेयर को जरूर प्रभावित कर सकता है।

इस बार भी अभी तक यूकेडी के युवा ब्रिगेड की प्रदेश के पहाड़ी जिलों में सक्रियता भाजपा और कांग्रेस को सोचने पर मजबूर कर रही है। इसके साथ ही अपनी रणनीति भी बदलने की ओर इशारा कर रही है। चुनाव परिणाम क्या होंगे यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन चुनाव के इस सेमीफाइलन साल में भाजपा और कांग्रेस के लिए यूकेडी बड़ी समस्या के रूप में दिख रही है।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों के निस्तारण को चलाएं विशेष अभियान

चमोली(आरएनएस)। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर 30 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निस्तारण को विशेष अभियान चलाएं। शिकायतकर्ता की संतुष्टि तक समाधान किया जाना जरूरी है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 पर मिली शिकायतों को लेकर समीक्षा बैठक की। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की साप्ताहिक समीक्षा करें और समय पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कहा कि हेल्पलाइन मोबाइल एप डाउनलोड कर नियमित मॉनीटरिंग करें, ताकि शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके। डीएम ने कहा कि बिना पर्याप्त कार्रवाई के शिकायतों को फोर्स क्लोज न किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। डीएम ने कहा कि विभाग स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक करते हुए शिकायत कर्ता से सीधे संवाद करें। सड़क निर्माण में देरी, पेयजल, विद्युत आपूर्ति की समस्याएं व आपदा मुआवजे संबंधी शिकायतें अधिक आ रही हैं। इनका समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाए ताकि लोगों की मूलभूत सुविधाओं का विकास होगा और शिकायतों का समाधान भी होगा। बैठक में सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डीएफओ सर्वेश दुबे, डीडीओ केके पंत, पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट आदि अधिकारी मौजूद रहे।

आर्च ब्रिज पर चढ़ने वालों को रोकने के लिए लगाए चेतावनी बोर्ड

नई टिहरी(आरएनएस)। लोनिवि ने देवीसौड़ आर्च ब्रिज पर चढ़ने और पुल को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी जारी की है। विभाग ने इस संबंध में पुल पर चेतावनी बोर्ड लगा दिए हैं। चिन्यालीसौड़ में भागीरथी नदी के ऊपर बने आर्च ब्रिज लोगों की आवाजाही के अलावा सेल्फी प्वाइंट के लिए चर्चित हैं। इसके साथ ही कुछ दिनों पहले एक नेता ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए पुल पर चढ़ कर पुलिस और प्रशासन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी थी। काफी देर बाद प्रशासन और पुलिस ने उन्हें पुल से नीचे उतारा। इसके साथ ही इस पुल पर लोगों सेल्फी लेने पहुंचते हैं जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इसके लिए लोनिवि ने पुल पर चेतावनी बोर्ड लगा दिया है ताकि लोग पुल पर लोग सेल्फी और पुल पर न चढ़ सके। लोनिवि के ईई सनी दयाल ने बताया कि पुल पर चेतावनी साइन बोर्ड लगा दिया गया है। पुल पर लोगों का चढ़ना, सेल्फी लेना या किसी भी तरह से संरचना को क्षति पहुंचाना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की है वह पुल को नुकसान और सेल्फी न ले।

केदारनाथ में प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से हो रहा निस्तारण

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ यात्रा को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए जिला प्रशासन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्य कर रहा है। इसके लिए यात्रा मार्ग पर व केदारनाथ क्षेत्र में प्लास्टिक व सूखे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है। अभी तक 500 किलो सूखे कचरे से बेल (गट्ठर) तैयार की जा चुकी हैं। नगर पंचायत केदारनाथ की ओर से सूखे वेस्ट प्रबंधन के लिए आधुनिक बेलिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा है। इस मशीन से प्लास्टिक और अन्य सूखे कचरे को दबाकर बेल्स के रूप में तैयार किया जा रहा है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि केदारनाथ में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया गया है। यह केंद्र हीलिंग हिमालयन फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया था, जहां सूखे कचरे का संग्रहण, पृथक्करण और प्रोसेसिंग की जा रही है।अब तक करीब 500 किलोग्राम सूखे कचरे को प्रोसेस कर बेल (गट्ठर) तैयार की जा चुकी हैं। इनके विक्रय से नगर पंचायत को लगभग 15 से 20 हजार रुपये की आय होगी है।

महिलाओं को दिया उद्यमिता प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के सहयोग से रेलवे लाइन प्रभावित गांवों की महिलाओं को प्रगति - महिला सशक्तीकरण परियोजना के अंतर्गत उद्यमिता प्रशिक्षण दिया जा रहा है। परियोजना अधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि महिलाओं को उद्यमिता की मूलभूत जानकारी, व्यवसाय चयन, वित्तीय प्रबंधन, विपणन रणनीति, उद्यमों के संचालन की जानकारी देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों जैसे हस्तशिल्प, डेयरी, मशरूम उत्पादन, सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कई महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर चुकी हैं जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। वहीं नैथाना में भी उद्यमिता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। सुरुचि नेगी ने एक सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक गुणों, नवाचार के महत्व, नए बिजनेस आइडिया विकसित करने की प्रक्रिया और जोखिम प्रबंधन की रणनीतियों के बारे में बताया। बीएमएम मुकेश देव ने महिलाओं को समूह उद्यमों के बारे में जानकारी दी। मौके पर ग्राम प्रधान यशपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

खेतों में एक साथ बैठकर खाना खाने की परंपरा उत्तराखंड के पहाड़ों की आत्मा

खेत की मेड़ पर 'डाइनिंग टेबल'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ों पर जब धूप की पहली किरणें सीढ़ीदार खेतों को छूती हैं, तो केवल खेती का काम शुरू नहीं होता, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव की शुरुआत होती है। पहाड़ में खेती केवल पेट भरने का साध न नहीं, बल्कि आपसी मेलजोल और प्रेम का सबसे बड़ा प्रतीक है। यहाँ की एक सुंदर परंपरा हैकृपंगत में बैठकर खेत में ही भोजन करना।

खेतों में एक साथ बैठकर खाना खाने की यह परंपरा उत्तराखंड के पहाड़ों की आत्मा है। यह हमें सिखाती है कि सादगी में भी खुशी होती है और मिल-बांटकर जीने में ही असली समृ(छिपी है। पहाड़ की यह परंपरा आज भी रिश्तों को मजबूत करने और जीवन को सहज बनाने का संदेश देती है। आज पलायन के कारण पहाड़ के कई खेत बंजर हो और मकान बीरान हो गए हैं, लेकिन जो लोग आज भी वहाँ टिके हैं, उन्होंने इस परंपरा को जीवित रखा है। खेत में बैठकर एक साथ भोजन करना हमें सिखाता है कि खुशी अकेले नहीं, बल्कि मिल-बाँटकर जीने में है। मिट्टी की वह सोंधी खुशबू और अपनों के साथ साझा किया गया वह पिसा हुआ नमक आज भी हर उस पहाड़ी की यादों में बसा है जो अपने गांव से दूर शहर में बैठा है।

उत्तराखंड के पहाड़ों में जीवन सिर्फ संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि सामूहिकता और अपनत्व की जीवंत परंपराओं का भी प्रतीक है। इन्हीं परंपराओं में एक खूबसूरत परंपरा हैकृखेतों में काम के बीच एक साथ बैठकर खाना खाना। यह सिर्फ भूख मिटाने का समय नहीं, बल्कि रिश्तों को सींचने, थकान मिटाने और जीवन को साझा करने का अवसर होता है। पहाड़ की कठिन भौगोलिक परिस्थिति में अकेले खेती करना लगभग असंभव है। इसलिए यहाँ सामूहिक मदद की परंपरा है। जब गाँव में किसी एक के खेत की रोपाई या कटाई होती है, तो पूरा गाँव अपनी कुदाल और दरांती लेकर पहुँच जाता है।

अकेले कुमाऊं के कुछ हिस्सों में खेतों में काम के दौरान हुड़का बजाकर

❑आपसी मेलजोल और प्रेम का सबसे बड़ा प्रतीक है 'पंगत'
❑पहाड़ की परंपराकृमें एक साथ बैठकर भोजन करने की प्रथा
❑रिश्तों, श्रम और सादगी का यह उत्सव आज भी है जीवित
❑पहली ग्रास अक्सर जमीन पर देवता या प्रकृति को देते हैं

लोकगीत गाए जाते हैं। धुनों की ताल पर हाथ चलते हैं और थकान का नामोनिशान नहीं होता। दोपहर होते-होते जब सूरज सिर पर आ जाता है, तो काम रोक दिया जाता है। किसी बड़े बांज या बुरांश के पेड़ की छाँव में, या सीधे खेत की मेड़ पर ही बैठने का इंतजाम होता है। खेत में बैठकर खाने का स्वाद किसी फाइव-स्टार होटल के खाने से कहीं ऊपर होता है। यह भोजन केवल भूख मिटाने के लिए नहीं होता, बल्कि यह गाँव की सोशल नेटवर्किंग का समय होता है। बुजुर्ग यहाँ बैठकर पुरानी कहानियाँ सुनाते हैं। युवा अपनी भविष्य की योजनाओं और शहर की बातों पर चर्चा करते हैं। महिलाएं अपने लोकगीतों जैसे झुमैलो या चांचरी के जरिए सुख-दुख साझा करती हैं। भोजन शुरू करने से पहले, पहली ग्रास कौर अक्सर जमीन पर देवता या प्रकृति के नाम से रखी जाती है। यह इस बात का प्रतीक है कि हम जो खा रहे हैं, वह उस मिट्टी की ही देन है।

हालांकि, बदलते समय और पलायन के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे कम होती जा रही है। गांवों में लोगों की संख्या घट रही है और खेती का दायरा भी सिमट रहा है। इसके बावजूद जहां भी यह परंपरा जीवित है, वहां यह आज भी उतनी ही गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में जून से लेकर अगस्त तक धान की रौपाई के समय यह परंपरा हर जगह दिख जाती है। इसके साथ ही आज के दौर में जहां शादी व अन्य समारोहों में टेंट का प्रचलन बढ़ गया है। इसके बाद भी पहाड़ के गांवों में आज भी कई स्थानों पर इस परंपरा को निभाया जाता है। बदलते दौर में पहाड़ को अगर आपने करीब से देखना है तो आ जाइए मेने पहाड़।

त्रियुगीनारायण में 51 जोड़े शादी के बंधन में बंधे

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। त्रियुगीनारायण में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। सात ही अधिक संख्या में युवा भी शादी कर रहे हैं। यहां 51 जोड़ों ने सात फेरे हुए और वैवाहिक जीवन की शुरुआत की।

केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद से यहां आने वाले यात्रियों की संख्या हजारों में पहुंच गई है। तीर्थपुरोहित समिति के पूर्व सचिव सर्वेशानंद भट्ट ने बताया कि बुधवार को 51 जोड़ों ने यहां शादी की। कपाट खुलने के बाद से ही पर्यटकों और श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। त्रियुगीनारायण के व्यापार संघ अध्यक्ष महेंद्र सेमवाल ने बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने से व्यापार को नई गति मिली है। इससे लोगों की आमदनी में इजाफा हुआ है और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में काफी तेजी आई है।

आपदा प्रभावितों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

चमोली(आरएनएस)। पिछले वर्ष आपदा से प्रभावित नंदानगर के ग्रामीण आज भी परेशानी झेल रहे हैं। क्षेत्र में आपदा के बाद कोई भी सुरक्षात्मक कार्य नहीं हुए हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्र में सात माह बाद भी पुनर्निर्माण के नाम पर एक पत्थर तक नहीं रखा गया। इससे गुस्साए धुर्मा गांव के आपदा प्रभावितों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। उन्होंने क्षेत्र में सभी जरूरी कार्य तुरंत शुरू करने की मांग उठाई। पिछले वर्ष 17 सितंबर की रात को अतिवृष्टि से धुर्मा, सेरा, फाली कुंतरी, सैंती कुंतरी व एससी बस्ती में भारी नुकसान हुआ था। नौ लोगों की मौत हुई थी जबकि कई घर, रास्ते, खेत और पुलिया आपदा में ध्वस्त हो गए थे। आपदा पीड़ितों का कहना है कि आठ माह बाद भी यहां कोई काम नहीं हुआ है। इससे गुस्साए आपदा प्रभावितों ने धुर्मा गांव में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि धुर्मा के आपदा प्रभावित आज भी किराये पर रह रहे हैं और उन्हें किराये की धनराशि भी नहीं दी गई है। सूबेदार भोपाल सिंह रावत (सेवानिवृत्त) का कहना है कि उनके क्षेत्र में आपदा के सात माह बाद भी बिजली की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। स्यारा पाखा व मोक्ष नदी में सुरक्षा दीवार नहीं बनाई गई है। बरसात में यहां फिर नुकसान हो सकता है। दोनों नालों के संगम से आगे नदी का रुख जीआईसी मोख की ओर हो रखा है। इससे विद्यालय को भी खतरा बना हुआ है। धुर्मा के ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र रावत ने कहा कि प्रभावितों की समस्या को लेकर कई बार जिलाधिकारी को अवगत कराया गया है। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित कई नेता यहां पहुंचे मगर पुनर्निर्माण के नाम पर आज तक एक पत्थर तक नहीं रखा गया। उन्होंने सरकार से क्षेत्र की सुरक्षा के लिए शीघ्र पुनर्निर्माण शुरू कराने की मांग की। इस मौके पर देवेश्वरी देवी, गीता देवी, कमला देवी, सावित्री देवी, सुनीता देवी, हयात सिंह, पुष्कर सिंह, गुदाल सिंह, इंद्र सिंह, कान सिंह, लक्ष्मण सिंह, भोपाल सिंह, चतर सिंह आदि मौजूद रहे।

होंठों की देखभाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, होंठ लगेंगे खूबसूरत

होंठों की देखभाल करना बहुत जरूरी है क्योंकि ये चेहरे की सुंदरता में अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, कई लोग होंठों की देखभाल करते समय अनजाने में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे उनके होंठ स्वस्थ नहीं रह पाते। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिन्हें हमें करने से बचना चाहिए ताकि हमारे होंठ हमेशा सुंदर और स्वस्थ रहें।

सही लिप बाम का चयन न करना- लिप बाम का चयन करते समय कई लोग सिर्फ खुशबू या रंग देखकर ही चुन लेते हैं, जो कि गलत है। आपको ऐसा लिप बाम चुनना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक तत्व हों जैसे कि नारियल का तेल, बादाम का तेल या शिया बटर। ये तत्व आपके होंठों को गहराई से पोषण देते हैं और उन्हें सूखने से बचाते हैं। इसके अलावा सूरज की किरणों से बचाने वाला लिप बाम भी जरूरी है ताकि होंठ सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें।

पानी की कमी पर ध्यान न देना- पानी की कमी से हमारा शरीर ही नहीं बल्कि हमारे होंठ भी प्रभावित होते हैं। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो होंठ सूखे और फटे हुए दिखते हैं। इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा तरबूज, खीरा जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन भी करें। इससे न केवल आपकी सेहत बेहतर होगी बल्कि आपके होंठ भी स्वस्थ रहेंगे।

रात को लिप बाम न लगाना- रात को सोने से पहले अगर आप अपने होंठों पर लिप बाम लगाते हैं तो यह आपकी आदत बननी चाहिए। सोते समय आपके होंठ लंबे समय तक लिप बाम के संपर्क में रहते हैं, जिससे वे सुबह उठकर ताजगी महसूस करते हैं और फटे नहीं दिखते। इसलिए रात को सोने से पहले हमेशा अपने होंठों पर लिप बाम लगाएं ताकि वे नमी बनाए रखें और स्वस्थ रहें।

स्क्रब न करना- जैसे चेहरे की मृत त्वचा हटाना जरूरी होता है, वैसे ही होंठों की मृत त्वचा हटाना भी जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते तो होंठ रूखे और फटे दिखते हैं। आप घर पर ही शक्कर और शहद का मिश्रण बनाकर इसका उपयोग कर सकते हैं। इससे आपके होंठ मुलायम होंगे और उनकी प्राकृतिक रंगत भी वापस आएगी। नियमित रूप से यह प्रक्रिया करने से आपके होंठ स्वस्थ और आकर्षक दिखेंगे।

बिना सुरक्षा के धूप में निकलना- धूप में बिना लिप बाम लगाए बाहर निकलना भी एक बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि सूरज की किरणें आपके होंठों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए जब भी आप घर से बाहर जाएं तो अपने होंठों पर सूरज से बचाने वाला लिप बाम जरूर लगाएं ताकि वे सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपने होंठों को हमेशा सुंदर और स्वस्थ रख सकते हैं।

मुंह की बदबू से परेशान हैं? इन 5 तरीकों से करें दूर

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी जूझता है। यह समस्या न केवल आत्मविश्वास को कम करती है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी रुकावट डाल सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने मुंह की बदबू को दूर कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं।

रोजाना ब्रश करें- रोजाना दो बार ब्रश करना बहुत जरूरी है। सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले ब्रश करें ताकि आपके दांत साफ रहें और कीटाणु न पनप सकें। सही तरीके से ब्रश करने से मुंह की बदबू भी दूर होती है। इसके लिए नरम बालों वाले ब्रश का उपयोग करें और फ्लोराइड वाला पेस्ट इस्तेमाल करें। ब्रश करते समय हल्के हाथों से दांतों के हर कोने को अच्छे से साफ करें।

जीभ को साफ रखें- जीभ पर भी कीटाणु जमा होते हैं, जो मुंह की बदबू का कारण बन सकते हैं। इसलिए रोजाना ब्रश करने के साथ-साथ अपनी जीभ को भी साफ करें। इसके लिए आप जीभ साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर नरम ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ सकते हैं। जीभ को साफ रखने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं बिना किसी चिंता के।

पानी पिएं- दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इससे आपके शरीर में नमी बनी रहती है और लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा पानी पीने से आपके गले और मुंह की सफाई होती रहती है। अगर आप नियमित रूप से पानी पीते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

च्युइंग गम चबाएं- बिना चीनी वाली च्युइंग गम चबाने से भी मुंह की बदबू दूर होती है। इससे लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा च्युइंग गम चबाने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से च्युइंग गम चबाते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

नियमित रूप से दांतों का निरीक्षण कराएं- हर छह महीने में दांतों का निरीक्षण करवाना जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार की समस्या समय रहते पता लग सके और उसका इलाज हो सके। दांतों के डॉक्टर आपकी ओरल हाइजीन पर ध्यान देंगे और आपको सही सलाह देंगे जिससे आपकी मुंह की बदबू दूर हो सकेगी। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन सख्त

हमारे संवाददाता

पौड़ी। बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम, त्वरित नियंत्रण एवं प्रभावी प्रबंधन के उद्देश्य से जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक में वन विभाग, प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ वनाग्नि के कारणों, रोकथाम के उपायों, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली एवं जनसहभागिता को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गयी।

बैठक के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी ने जानकारी दी कि वनाग्नि की अधिकांश घटनाएं सिविल क्षेत्रों में सामने आ रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में मैनुअल रिपोर्टिंग के माध्यम से सजग निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि 1 मई से फायर अलार्म सिस्टम के अनुरूप सभी घटनाओं की सटीक एवं समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रभावी नियंत्रण एवं त्वरित कार्रवाई संभव हो सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो व्यक्ति जानबूझकर आड़ा फूकान की घटनाओं में संलिप्त पाए जाते हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाय तथा जनजागरुकता के माध्यम से ऐसे कृत्यों से बचने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने संवेदनशील वन रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों के प्रधानों का न्याय पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण संबंधित क्रू स्टेशन के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, जिसमें आवश्यक अग्निशमन उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक में ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को इस कार्य हेतु नोडल अधिकारी नामित करते हुए ग्राम प्रधानों के समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

पीरूल (चीड़ की पत्तियों) के संग्रहण के संबंध में जिलाधिकारी ने डीएफओ को संबंधित संस्था से एमओयू करने के निर्देश दिए, जिससे वनाग्नि की घटनाओं में कमी लायी जा सके। जिलाधिकारी ने डीएफओ लैंसडाउन को निर्देशित किया कि उनके द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रिया को जनपद में व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए। साथ ही, उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे एक सप्ताह के भीतर तहसील स्तर पर बैठक आयोजित करें, जिसमें एसडीओ वन, एडीओ पंचायत, ग्राम प्रधान, पटवारी एवं खंड विकास अधिकारी सम्मिलित हों।

इस अवसर पर डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव, सिविल एवं सोयम पवन नेगी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार, अग्निशमन अधिकारी राजेंद्र खाती, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश चंद्र काला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही अन्य उपजिलाधिकारी, डीएफओ तथा एसडीओ वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

'रोको-टोको अभियान से स्वच्छता की नई पहल'

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम हरिद्वार ने "रोको-टोको अभियान" की शुरुआत की है। नगर आयुक्त, नंदन कुमार के दिशा-निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत नगर निगम की टीम घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है।

इस क्रम में आज उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, सैनिटेशन सेल प्रभारी संजय शर्मा आर्यनगर वार्ड में पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय पार्षद सपना शर्मा के साथ मिलकर लोगों से संपर्क किया और उन्हें गीले व सूखे कचरे के पृथक्करण के लिए दो डस्टबिन के उपयोग के लिए प्रेरित किया।

अभियान के दौरान उन लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया गया जो घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले पर्यावरण मित्र को समय पर कचरा नहीं देते हैं। ऐसे नागरिकों को गुलाब का फूल देकर जागरूकता का संदेश दिया गया। वहीं, नियमित रूप से नियमों का पालन करने वाले लोगों को भी सराहा गया।

उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी ने बताया कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि कई बार नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना भी लगाया जाता है, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग नियमों का पालन नहीं करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए "रोको-टोको अभियान" शुरू किया गया है, ताकि लोगों को सीधे संवाद के माध्यम से जागरूक किया जा सके। नगर निगम ने "स्वच्छता सर्वेक्षण 2026" में बेहतर प्रदर्शन के लिए भी नागरिकों से बढ़-चढ़कर फीडबैक देने की अपील की है। यह अभियान शहर के सभी 60 वार्डों में लगातार चलाया जा रहा है।

शब्द सामर्थ्य -018

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

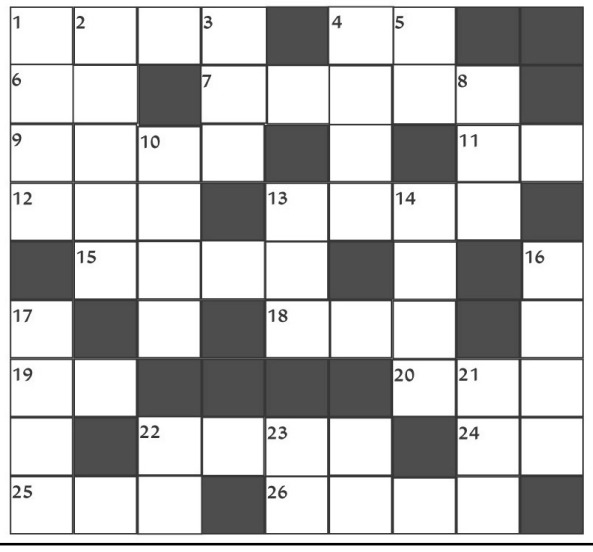

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 17 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

रवीना टंडन की बेटी और राजकुमार हिरानी के बेटे की जोड़ी तैयार!

बॉलीवुड में एक और धमाकेदार स्टार किड डेब्यू की तैयारी पूरी हो चुकी है। अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अब एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वीर की सिनेमाघरों में आने वाली इस पहली फिल्म में राशा उनके साथ रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म के लिए काफी समय से हीरोइन की तलाश चल रही थी, जो अब आखिरकार राशा पर आकर खत्म हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी को अपनी पहली थिएट्रिकल फिल्म के लिए लीड हीरोइन मिल गई है। जय शेवक्रमणि के अगले प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में रवीना की बेटी राशा थडानी को उनके अपोजिट कास्ट किया गया है। इस फिल्म का नाम फिलहाल लगन लागी रे रखा गया है। कुल मिलाकर 2 बड़े फिल्मी घरानों के वारिसों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक होने वाला है।

ये फिल्म एक ताजा और युवाओं पर आधारित प्रेम कहानी बताई जा रही है, जिसका निर्देशन सोनाली रतन देशमुख करेंगी। सोनाली इससे पहले अपने पति कुणाल देशमुख के साथ जन्नत, तुम मिले और शिद्दत जैसी मशहूर रोमांटिक म्यूजिकल फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम कर चुकी हैं। निर्माता पर्दे पर एक बिल्कुल नई जोड़ी पेश करना चाहते थे और उनका मानना है कि वीर-राशा एक बेहद शानदार रोमांटिक जोड़ी साबित होंगे। इस फिल्म की शूटिंग जुलाई 2026 में शुरू होगी।

ये वीर हिरानी की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म होगी। अभिनय की दुनिया में ये उनका दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले वो जियो हॉटस्टार की आने वाली सीरीज प्रीतम पेड्रो में नजर आएंगे, जो एक साइबर क्राइम थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज को उनके पिता ने बनाया है। इसमें उनके साथ अरशद वारसी और विक्रांत मैसी जैसे कलाकार हैं। लंदन की प्रतिष्ठित रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से स्नातक वीर पहले ही थिएटर जगत में अपनी पहचान बना चुके हैं।

जहां तक राशा की बात है, उन्होंने पिछले साल अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अभिनय की शुरुआत की थी। हालांकि, उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

उधर राशा भी अपने अभिनय से दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाईं। वो बात अलग है कि इस फिल्म के पार्टी नंबर उई अम्मा... ने उन्हें सोशल मीडिया पर खूब मशहूर कर दिया था। राशा अभिनेता अभय वर्मा के साथ लइकी लइका भी लेकर आ रही हैं।

नेहा धूपिया की हॉलीवुड में दस्तक, फिल्म 52 ब्लू से सामने आई पहली झलक

अभिनेत्री नेहा धूपिया अपनी अपकमिंग फिल्म 52 ब्लू को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से वह हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला लुक और ट्रेलर जारी किया है। नेहा धूपिया इसमें एक अलग लुक में नजर आ रही हैं। यह फिल्म फीफा वर्ल्ड कप 2022 के बैकग्राउंड में एक भारतीय प्रवासी मजदूर की जिंदगी पर आधारित है।

2 मिनट 11 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि नेहा धूपिया ने उस व्यक्ति (यादव शशिधर) की मां का किरदार निभाया है, जो लियोनेल मेस्सी का बहुत बड़ा फैन है। वो लियोनेल मेस्सी से मिलने विदेश जाता है। वहां जाकर वह फंस जाता हैं। भारत में आशीष का परिवार पहले तो उनके विदेश जाने पर खुश होता है, बाद में जब वह वापस नहीं आता है, तो परिवार के लोग परेशान होते हैं। बेटे के दूर हो जाने पर नेहा धूपिया भी परेशान होती हैं।

इस फिल्म में नेहा धूपिया पहली बार एक मां का किरदार निभाएंगी। उनके साथ आदिल हुसैन भी हैं, जो उनके पति का किरदार निभा रहे हैं। यह इन दोनों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है।

फिल्म का ज्यादातर हिस्सा कोच्चि में फिल्माया गया है, जहां के तटीय और द्वीपीय नजारे कहानी को बेहतर तरीके से पेश करते हैं। यह फिल्म मिस्र के फिल्ममेकर अली अल-अरबी के निर्देशन में बनी है।

आपको बता दें कि नेहा धूपिया ने 2003 में फिल्म कयामत से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आखिरी बार वह फिल्म बैड न्यूज 2024 में नजर आई थीं। अब वह हॉलीवुड फिल्म 52 ब्लू में नजर आएंगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है- शुभांगी अत्रे

छोटे पर्दे पर आने वाले सीरियल भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी अत्रे टीवी का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने तकरीबन 10 साल तक सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं से जुड़ी बातें कीं। उन्होंने रिलेशनशिप में आने के सवाल पर भी खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा, जिंदगी कई चैप्टर के साथ आती है, और इसमें कुछ लोग जाते हैं और कई लोग आकर चले जाते हैं। 20 की उम्र में ऊर्जा ज्यादा होती है, लेकिन सही और गलत की पहचान नहीं होती, जबकि बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि आप स्वीकार करना सीख जाते हैं। आपको पता होता है कि जो हो रहा है, वो ठीक ही होगा और इसका कोई न कोई कारण होगा और शिकायतें भी कम हो जाती हैं। अभिनेत्री की बेटी यूएस में पढ़ाई कर रही हैं और उससे दूरी बर्दाश्त करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। मां और बेटी के रिश्ते पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, बेटी यूएस में पढ़ रही है और टाइम जोन का इतना फर्क है कि कभी काफी लंबा समय हो जाता है बिना बात किए। मुझे लगता है कि पढ़ाई करना सबसे ज्यादा जरूरी है, जैसे मैं इंदौर से मुंबई आई अपने सपनों को पूरा करने के लिए, वैसे ही अपनी बेटी को उसका सपना पूरा करने के लिए यूएस भेजा है। हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को उड़ने का हौसला दें और आज के समय में हर महिला का सशक्त होना बहुत जरूरी है।

शुभांगी अत्रे सिंगल हैं और फिलहाल किसी तरह के रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका खुद का अनुभव कहता है कि पति-पत्नी से ज्यादा उन्हें दोस्ती का रिश्ता पसंद है। कभी-कभार बहुत अकेला लगता है, खासकर किसी परेशानी के समय में, लेकिन अब इस उम्र के साथ चीजों से डील करना भी आ गया है। इस उम्र में मुझे लगता है कि आप पका घड़ा बन जाते हैं, जिसे किसी रिश्ते में ढालना मुश्किल होता है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए वो पति-पत्नी ज्यादा अच्छे हैं, जो दोस्त हैं। वो रिश्ता खुलकर जीने वाला होता है, न कि डरने वाला। अगर मैं किसी रिश्ते में आई भी तो पहले दोस्ती का रिश्ता बनाऊंगी। मुझे नहीं लगता है कि मुझे किसी भी फैसले को लेकर कभी रिग्रेट हुआ है। मेरा मानना है कि जिंदगी में कोई भी आता है, वो आपको कुछ सिखाने के लिए आता है। मेरी शादी भी बहुत जल्दी हो गई थी, लेकिन समय के साथ हर किसी की भावनाएं बदल जाती हैं, तो मुझे कुछ चीजों की याद आती हैं, लेकिन किसी को लेकर पछतावा नहीं है।

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया। नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया। वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं।

इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?

नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं।

फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म चिरुथा से करियर शुरू किया और बाद में क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह इल्लिगल जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

देवी-देवताओं की तरह हिमालय पर्वत की भी आरती हो - नैथानी

हरिद्वार(आरएनएस)। बाबा विश्वनाथ मां जगदीश शीला की 27वीं डोली यात्रा हरिद्वार पहुंची। यह यात्रा टिहरी गढ़वाल के विशौन पर्वत स्थित बाबा विश्वनाथ एवं मां जगदीशीला मंदिर से हर वर्ष उत्तराखंड के समस्त धार्मिक स्थलों की यात्रा करती है। कैबिनेट मंत्री रहे प्रसाद नैथानी के नेतृत्व और शिक्षाविद कैलाशपति मैठानी के संयोजन में हर की पैड़ी पर भारत माता मंदिर के श्रीमहंत एवं निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी महाराज के सानिध्य में गंगा पूजन, डोली स्नान के पश्चात डोली यात्रा उत्तराखंड भ्रमण के लिए रवाना हुई। चारधाम समेत समस्त कई मंदिरों के दर्शन करने के पश्चात गंगा दशहरे पर डोली यात्रा का समापन, विशौन पर्वत ग्यारह गांव हिंदाव टिहरी गढ़वाल में बाबा विश्वनाथ धाम में होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रहे मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि उत्तराखंड में अन्य देवी देवताओं की तरह हिमालय पर्वत की भी आरती होनी चाहिए। उन्होंने हिमालय की आरती भी तैयार की है और जल्द ही इस संकल्प को पूरा भी करेंगे। सरकारों को भी इस पर ध्यान देना होगा। उत्तराखंड की आस्था और संस्कृति की पहचान है बाबा विश्वनाथ मां जगदीश शीला डोली यात्रा जो संपूर्ण उत्तराखंड को धार्मिक एकता के सूत्र में पिरोती है।

वन श्रमिकों की डीएफओ से वार्ता विफल

विकासनगर(आरएनएस)। वन कर्मचारी संघ कालसी रेंज के श्रमिकों का अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन नौंवे दिन भी जारी रहा है। श्रमिकों की डीएफओ कालसी से वार्ता हुई, लेकिन वार्ता में मांगों का कोई समाधान नही हो सका। जिसके बाद श्रमिकों ने अपना आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।

पर्यटन मंत्री ने पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण किया

हरिद्वार(आरएनएस)। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने ऋषिकुल मैदान स्थित निशुल्क पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के शिविर में कुछ कमियां पाई गई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को ऑक्सीमीटर नहीं रखने पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि बिना ऑक्सीमीटर के जांच कैसी। जो यात्रा पर जा रहे हैं उनको सांस लेने में कोई परेशानी तो नहीं है इसकी भी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजीकरण केंद्र में व्यवस्थाएं अच्छी हैं। लाखों की संख्या में यात्री चारधाम यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक देश विदेश से 4,07962 चारधाम यात्रा में पहुंचे हैं। जिसमें गंगोत्री 57863, यमुनोत्री 57704, बद्रीनाथ 84942 और केदारनाथ में 2,07452 यात्री पहुंचे हैं। 24, 68132 यात्रियों ने ऑनलाइन, ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया है। सरकार की नीतियों से यात्रा बहुत सुगम, सरल चल रही है। जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल ने बताया कि अभी यात्री कम आ रहा है। अगले महीने यात्रियों के बढ़ने की आशा है। अधिकतर लोग ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाकर यात्रा में पहुंच रहे हैं।

सू- दोकू क्र.018

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.17 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

स्त्रोत सूखा, टैंकर के चक्कर में प्रभावित हुई दिनचर्या

चमोली(आरएनएस)। बढ़ती गर्मी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराने लगा है। स्त्रोतों पर पानी कम हो रहा है जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं टैंकरों के आने का कोई निश्चित समय न होने के कारण ग्रामीणों का पूरा दिन पानी की व्यवस्था में बीत रहा है। सेमी ग्वाड़ में भी पानी की सप्लाई नहीं हो पाई। देवतोली क्षेत्र में पीएमजीएसवाई कार्यालय के पास के कई घरों में पानी नहीं पहुंच पाया। इससे लोगों को पेयजल संकट झेलना पड़ रहा है। जलसंकट से जहां पुरुष समय पर काम पर नहीं जा पा रहे हैं वहीं महिलाओं का घर का काम भी प्रभावित हो रहा है। सेमी ग्वाड़ की अनीता देवी और पवित्रा देवी ने बताया कि एक हफ्ते से पानी नहीं आया है। टैंकर से पानी भरने के बाद ही वे जंगल जा पाती हैं। गर्मी भी तेज हो रही है। विजय कुमार ने कहा कि पानी भरने के लिए दो लोगों की जरूरत पड़ रही है और मवेशियों के लिए भी अधिक पानी चाहिए। जल संस्थान कर्णप्रयाग के सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित का कहना है कि लोगों की समस्या को देखते हुए सुबह 8 से 830 तक टैंकर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। पानी की समस्या दूर करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए हैं।

वही दूसरी ओर थरालीबगड़ कस्बे में पेयजल व्यवस्था में सुधार न होने से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। नियमित जलापूर्ति न होने से निवासियों को जलस्त्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी की समस्या से होटल व्यवसायियों को नुकसान हो रहा है। सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों को भी दिक्कतें आ रही हैं। विक्रमसिंह ने बताया कि जलसंस्थान में कर्मचारियों की कमी के कारण पेयजल योजना का रखरखाव नहीं हो पा रहा है। जल संस्थान के अवर अभियंता पंकज कुमार ने कहा कि पेयजल योजना पर लगातार मरम्मत का काम किया जा रहा है। शरारती तत्वों की ओर से पेयजल लाइन को क्षति पहुंचाने से जलापूर्ति बाधित हो रही है। पंकज कुमार ने आपूर्ति सुचारु बनाने के प्रयास जारी रहने का आश्वासन दिया।

जिले में विकास योजनाओं के लिए 67 करोड़ का बजट मंजूर

हरिद्वार(आरएनएस)। रोशनाबाद स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने की, जिसमें वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित विकास योजनाओं हेतु 67 करोड़ 35 लाख 60 हजार रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। प्रभारी मंत्री ने जिला योजना के वार्षिक परिव्यय को अनुमोदित करते हुए बताया कि सामान्य मद में 52 करोड़ 97 लाख 60 हजार रुपये, अनुसूचित जाति मद में 14 करोड़ 4 लाख 50 हजार रुपये और अनुसूचित जनजाति मद में 33 लाख 50 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि कुल परिव्यय का लगभग 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। इसके तहत कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, दुग्ध, रेशम, मत्स्य, वानिकी और गन्ना जैसे रेखीय विभागों को प्राथमिकता दी गई है। बैठक में यह भी बताया गया कि इस वर्ष जिला योजना में पहली बार प्राथमिक शिक्षा को शामिल किया गया है। इसके अलावा अभिनव पहल के तहत मीठा जल उत्पादन, झींगा पालन और अन्य नवीन गतिविधियों को भी योजना में स्थान दिया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे।

भाजपा के नौ वर्ष के प्रपंचों, झूठ से आजिज आ चुकी जनता - रावत

काशीपुर(आरएनएस)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश में बदलाव की हवा है। जनता भाजपा के पिछले नौ वर्षों के प्रपंच, झूठ और समाज को बांटने से आजिज आ चुका है। सरकार और बात तो करती है, लेकिन जनता की समस्याओं पर कोई चर्चा नहीं करती। भाजपा भाई दोहन और भावना दोहन कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री रावत ग्राम मानपुर पहुंचे। उन्होंने देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर मत्था टेका। साथ ही गांव में ही मातृशक्ति से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह विधेयक संसद में सर्वसम्मति से पारित हुआ था, जिसमें कांग्रेस और अन्य दल भी शामिल थे। आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इसमें परिसीमन और जनसंख्या का मुद्दा जोड़कर इसे लागू करने में देरी कर दी। रावत ने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि यदि परिसीमन को लेकर राज्यों की आपत्तियों का समाधान हो जाए तो पार्टी पूरी तरह सहयोग करेगी। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि मौजूदा 543 सीटों में से एक-तिहाई सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं।आगामी चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी कांग्रेस का चेहरा हैं। वहीं राज्य में मुख्यमंत्री का चयन चुनाव के बाद पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाएगा। अपने हालिया अवकाश को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा कि अवकाश लेना उनका अधिकार है और इसे अनावश्यक रूप से मुद्दा बनाया गया। उनके शांत होने के सवाल पर कहा कि वह शांत नहीं हैं, परिवर्तन हो इसलिए अशांत हैं। रामनगर के संजय नेगी की पार्टी में वापसी पर उन्होंने कहा कि वह वापसी चाहते हैं। वह ऐसे युवा नेता हैं, जो आगे कांग्रेस को खड़ा कर सकते हैं। इसके लिए हाईकमान से बात की गई है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनान लड़ने पर उन्होंने कहा कि वह चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं, बाकी हाईकमान के ऊपर है यहां महानगर अध्यक्ष अलका पाल, अरुण चौहान, विमल गुड़िया, उमेश जोशी एडवोकेट, तरुण लोहनी, जय सिंह गौतम, इंदुमान, अर्पित मेहरोत्रा, त्रिलोक अधिकारी, राशिद फारूखी, विनोद होंडा आदि मौजूद रहे।

रुड़ में गोल्ज्यु संदेश यात्रा का भव्य स्वागत, भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम

बागेश्वर(आरएनएस)। न्याय के देवता के रूप में विख्यात गोल्ज्यु महाराज की 'गोल्ज्यु संदेश यात्रा' ने बागेश्वर जिले के गरुड़ क्षेत्र में प्रवेश करते ही जनआस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत कर दिया। चंपावत से प्रारंभ हुई यह बीस दिवसीय यात्रा अपने दसवें दिन गरुड़ पहुँची, जहाँ श्रद्धालुओं ने अभूतपूर्व उत्साह और श्रद्धा के साथ इसका भव्य स्वागत किया। यात्रा के आगमन की सूचना मिलते ही गरुड़ की सड़कें भक्तों की भीड़ से पट गईं। जैसे ही सुसज्जित रथ क्षेत्र में पहुँचा, 卐जय गोल्ज्यु महाराज卐 के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। स्थानीय नागरिकों ने पलक-पावड़े बिछाकर यात्रा का स्वागत किया, महिलाओं ने पुष्पवर्षा की, वहीं ढोल-दमाऊ और हुड़के की थाप पर लोक कलाकारों ने पारंपरिक प्रस्तुतियाँ देकर माहौल को भक्तिमय और जीवंत बना दिया। 'अपनी धरोहर सांस्कृतिक मंच' के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न गोल्ज्यु मंदिरों को एक पहचान दिलाना तथा कुमाऊं-गढ़वाल की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करना है। आयोजकों के अनुसार, यह यात्रा पिछले तीन वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। यात्रा के दौरान 'देव डांगर' के रूप में गोल्ज्यु महाराज के दिव्य दर्शन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जागर गाथाओं और आशीर्वचनों के बीच भक्तों की लंबी कतारें दर्शन के लिए उमड़ी रहीं। यात्रा के आयोजक विजय भट्ट ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गोल्ज्यु महाराज के न्याय और सत्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त करती है, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित और प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। गरुड़ संयोजक हरीश जोशी ने भी बताया कि गोल्ज्यु महाराज के प्रति लोगों की अगाध आस्था ही इस यात्रा की सफलता का आधार है, जिसके चलते बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्वागत हेतु उमड़ पड़ते हैं। इस अवसर पर मुख्य जागरी मोहन राम, पूर्व विधायक लाखी राम, मोहन जोशी, पूर्व प्रधानाचार्य नंदन सिंह अलमिया, नीरज पंत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और स्कूली बच्चे भी यात्रा में शामिल रहे।

अल्मोड़ा में लोगों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका।

धर्मांतरण मामला: दो हिन्दू महिलाओं को ईसाई बनाने का प्रयास!

हमारे संवाददाता

देहरादून। बसंत विहार क्षेत्र के कांवली माड़ी इलाके में घर-घर जाकर ईसाई धर्म का प्रचार करने और कथित तौर पर प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासियों और वीर सावरकर संगठन के पदाधिकारियों ने इस गतिविधि के खिलाफ बसंत विहार पुलिस को तहरीर सौंपी गयी है।

पुलिस को दी गयी तहरीर के अनुसार सीतापुरी (निवासी बनियावाला) और सुमित्रा (निवासी कांवली गांव) नाम की दो महिलाएं कांवली माड़ी क्षेत्र में सक्रिय थीं। आरोप है कि वे स्थानीय हिंदू महिलाओं को ईसाई धर्म अपनाने के फायदे बताते हुए प्रलोभन दे रही थीं। स्थानीय निवासी दीपक कुमार ने इसकी सूचना वीर सावरकर संगठन के कार्यकर्ता इंद्रजीत को दी। इसके बाद संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे, जहां दोनों महिलाएं लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लाभ बता रही थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों महिलाएं वहां से चली गई थीं। बाद में पुलिस ने विकास मॉल क्षेत्र से दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर बसंत विहार थाने पहुंचाया। वीर सावरकर संगठन के संस्थापक अध्यक्ष कुलदीप स्वेडिया ने अपनी तहरीर में मांग की है कि दोनों महिलाओं के खिलाफ उत्तराखंड फ्रीडम ऑफ रिलिजन एक्ट (धर्म स्वतंत्रता कानून) के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रचार से समाज में अशांति फैल सकती है और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई जरूरी है। उत्तराखंड सरकार ने जबरन या प्रलोभन वाले धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए सख्त कानून लागू किया हुआ है। वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, प्रलोभन, धोखाधड़ी या जबरदस्ती से धर्मांतरण कराने पर 3 से 10 वर्ष तक की सजा और न्यूनतम 50,000 रुपये का जुर्माना हो सकता है। यदि मामले में महिला, नाबालिग, अनुसूचित जाति/जनजाति या दिव्यांग व्यक्ति शामिल हो तो सजा 5 से 14 वर्ष तक बढ़ सकती है। बड़े पैमाने पर या विदेशी फंडिंग से जुड़े मामलों में सजा और भी कड़ी है। पुलिस ने दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बसंत विहार थाना प्रभारी शेंकी कुमार ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। सभी पक्षों से बयान दर्ज करने और सबूतों की जांच के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

दो मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार, 12 मोबाइल बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आँपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो शातिर मोबाइल लुटेरो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटे गये 12 मोबाइल बरामद हुए है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सैफ अली पुत्र लियाकत अली निवासी ग्राम शाहपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार, नीटू पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम मंडावर द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि बाइक सवार दो लोगों द्वारा उनसे उनका मोबाइल छीन कर फरार हो गये है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद खानपुर से खेलपुर जाने वाले चकरोड से अंकुल उर्फ अंकुर पुत्र सोमपाल निवासी रायपुर थाना सदर, जिला यमुनानगर हरियाणा उम्र 26 वर्ष हाल प्रताप कालोनी कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार तथा गुलशन पुत्र राजकुमार निवासी रायपुर कोतवाली भगवानपुर जिला हरिद्वार उम्र 27 वर्ष को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से लूटे गये 12 मोबाइल व वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है।

राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर इंटक यूनियन ने शिकांगो में शहीद हुए मजदूरों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। इंटक के प्रदेश कार्यालय प्रभारी विक्टर थॉमस ने बताया कि प्रदेश की इंटक की सभी सम्बन्धित यूनियनों ने अपने कार्यालयों में शिकांगो में शहीदों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया।

आज यहां ओएनजीसी स्टाफ यूनियन व ओएनजीसी कान्ट्रेक्ट इम्पलाईज यूनियन तथा प्रदेश भर से आये कर्मठ एवं जूझारू संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में हीरा सिंह बिष्ट प्रदेश अध्यक्ष इंटक, ओएनजीसी की ओर से नीरज कुमार शर्मा महाप्रबन्धक प्रमुख निगमित प्रशासन, बैजनाथ पूर्व महाप्रबंधक मानस संसाधन, सुशील कुमार पूर्व उपमुख्य श्रमायुक्त, अजय शर्मा महामंत्री ओएनजीसी स्टाफ यूनियन, ओएनजीसी कान्ट्रेक्ट इम्पलाईज यूनियन के महामंत्री अनिल कुमार आदि ने सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि

भारत में मजदूर दिवस की शुरूआत चेन्नई में एक मई 1923 में हुई। भारत में लेबर किसान पार्टी ऑफ हिन्दुस्तान ने एक मई 1923 को मद्रास में इसकी शुरूआत की थी। आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन मजदूर वर्ग की विभिन्न समस्याओं व उसके समाधा न पर मंथन किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन द्वारा इस दिन सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। कई देशों मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणाएं की जाती है। इस अवसर पर ओएनजीसी एस्टो के अध्यक्ष जेपी पाण्डे, ओएओ के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बिष्ट, अनुसूचित जाति एवं जनजाति एसोसिएशन के अध्यक्ष जमशेद, प्रदेश इंटक के प्रमुख महामंत्री एपी अमोली, पंकज क्षेत्री, प्रदेश अध्यक्ष युवा इंटक ओपी सूदी, विक्टर थोम्स, उदय सिंह पुण्डीर, तनवर आलम, अजय पाल, कलीम, मनोज पाल, नीरज त्यागी, अरूण कुमार, उत्तराखण्ड रोडवेज कर्मचारी यूनियन के बालश, विद्युत कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कवि सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन सहयोग की दिशा में सशक्त संवाद

हमारे संवाददाता

देहरादून। हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में गठित उप-समिति द्वारा एसडीआरएफ परिसर, जॉली ग्रांट का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर सेनानायक

❑राजस्व मंत्री की अध्यक्षता में किया एसडीआरएफ परिसर भ्रमण

एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी द्वारा प्रतिनिधिमंडल को बल की संरचना, कार्यप्रणाली एवं राज्य में आपदा प्रबंधन हेतु किए जा रहे समन्वित प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

भ्रमण के दौरान एसडीआरएफ की त्वरित रिस्पॉन्स प्रणाली, अत्याधुनिक रेस्क्यू उपकरणों के उपयोग तथा पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में संचालित जटिल बचाव अभियानों की कार्यक्षमता से अवगत कराया गया। साथ ही, प्रशिक्षण मॉड्यूल्स,

तकनीकी दक्षता एवं आपदा के समय प्रभावी रिस्पॉन्स सुनिश्चित करने हेतु अपनाई जा रही रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला गया।

मंत्री, हिमाचल सरकार ने एसडीआरएफ उत्तराखंड की तत्परता, पेशेवर दक्षता एवं समर्पण की सराहना करते हुए इसे आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल बताया। उन्होंने संसाधनों के प्रभावी उपयोग एवं त्वरित समन्वय के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ कार्यप्रणाली विकसित करने पर बल दिया। इस अवसर पर उपसेनानायक शुभांक रतूड़ी, शांतनु पाराशर, प्रभारी निरीक्षक (प्रशिक्षण) प्रमोद रावत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोल्डन कार्ड से नहीं मिल पा रहा कर्मचारियों को कैशलेस इलाज: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि गोल्डन कार्ड से कर्मचारियों को कैशलेस इलाज नहीं मिल पा रहा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश के कार्मिकों/पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड से कैशलेस इलाज न मिलने के कारण इनको कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नेगी ने कहा कि प्रदेश के कार्मिकों एवं पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड की विसंगतियां एवं अन्य लापरवाही के चलते अधिकांश सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण कार्मिक, खासतौर पर पेंशनर्स व निगमों के कर्मचारी (जिनको पेंशन नहीं मिलती) इलाज कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।

कई पेंशनर संसाधन ही नहीं जुटा पाते उनको सिर्फ ऊपर वाले के रहमों करम पर निर्भर रहना पड़ता है। कई पेंशनर्स तो रिश्तेदारों व दोस्तों से उधारी व ब्याज पर कर्ज लेकर इलाज करा रहे हैं, जोकि बहुत ही चिंताजनक है। नेगी ने कहा कि छोटी-मोटी बीमारी का करने का इलाज कराने के लिए कर्मचारी साधन जुटा लेता है, लेकिन हृदय संबंधी व अन्य जटिल/ आपात स्थिति में समुचित संसाधन- पैसा न होने के कारण कई बार कार्मिकों की जान पर बनती है, जिसको नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मोर्चा ने चेतावनी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री इस मामले में तत्काल संज्ञान लें, वरना आर- पार की लड़ाई होगी। मोर्चा कर्मचारियों को उनके हाल पर मरने- तड़पने के लिए नहीं छोड़ सकता। मोर्चा शीघ्र ही इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री दरबार में दास्तान देगा। पत्रकार वार्ता में विजयराम शर्मा व पछवादूनअध्यक्ष अमित जैन मौजूद थे।

डोल आश्रम में मुख्यमंत्री ने श्री पीठम स्थापना महोत्सव में किया प्रतिभाग

1100 कन्याओं का पूजन व माँ राजेश्वरी का अभिषेक

हमारे प्रतिनिधि

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद के डोल स्थित आश्रम में आयोजित श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम न्यास के श्री पीठम स्थापना महोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 1100 कन्याओं का पूजन कर माँ राजेश्वरी का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

डोल आश्रम में आगमन पर मुख्यमंत्री द्वारा आश्रम परिसर में स्थापित श्रीयंत्र एवं यहां संचालित आध्यात्मिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि यहाँ स्थापित दुनिया के सबसे बड़े श्रीयंत्र को देखकर एक विशेष आध्यात्मिक अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि बाबा कल्याणदास की साधना एवं तपस्या के कारण यह स्थान आज पूरे विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। साथ ही उन्होंने बाबा कल्याणदास द्वारा वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्रम धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक साधना एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और चारधाम यात्रा में प्रतिवर्ष बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या प्रदेश में विकसित हो रही बेहतर व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का परिणाम है।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधायक मोहन सिंह मेहरा, विधायक मनोज तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नहर में मिला किशोर का शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घर से नाराज होकर लापता चल रहे किशोर का शव आज सुबह नहर में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

मामला ज्वालापुर क्षेत्र के कोटरवान क्षेत्र का है। यहां रहने वाले 17 वर्षीय किशोर फराज पुत्र फरमान का शव नहर में मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। किशोर बीते 27 अप्रैल की रात को परिजनों से किसी बात को लेकर नाराज होकर घर से चला गया था। इसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

मामले की सूचना ज्वालापुर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने किशोर की तलाश के लिए आसपास के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान किशोर बाल्मीकि बस्ती तक जाता हुआ दिखाई दिया, लेकिन इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल पाया। आज सुबह किशोर का शव बहादराबाद स्थित पथरी पावर हाउस के पास नहर में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि किशोर की परिजनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद वह घर से निकल गया था। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिंजरे में फंसे तेंदुए को रेस्क्यू सेंटर भेजा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी के नजदीक भीमताल के रानीबाग क्षेत्र में आज सुबह एक तेंदुआ पिंजरे में फंसा हुआ मिला। तेंदुए के फंसे होने की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को दी। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेज दिया है। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों को राहत मिली है। गांव के लोगों ने बताया कि तेंदुए के लगातार घरों के पास दिखाई देने से ग्रामीणों में भय का माहौल था। आज तेंदुए के पिंजरे में फंसते ही उसे रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा गया है। वहीं दो दिन पहले वन विभाग की टीम ने भीमताल के ज्योली गांव से बाघ को ट्रैंकुलाइज करने और मोरा गांव में पिंजरे में फंसे तेंदुए को भी रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा है। साथ ही खुटानी में एक बाइक की टक्कर से बाइक पर फंसे तेंदुए को टैंकुलाइज कर रानीबाग में रखा गया है।

हरकी पैड़ी सहित गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बुद्ध पूर्णिमा के पर्व पर हरिद्वार में हरकी पैड़ी, मालवीय द्वीप, सुभाष घाट, गौ घाट, रोडीबेलवाला घाट सहित, विभिन्न घाटों पर स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़ें। सुबह पौ फटने से ही स्नान और पूजन का क्रम चल रहा है। हर-हर गंगे और मां गंगा के जयकारों के साथ श्रद्धालु गंगा की पवन सलिला में पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं।

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। हर की पौड़ी सहित गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। हर हर गंगे के जयघोष से पूरा गंगा घाट क्षेत्र गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं ने लगाई हर हर गंगे के जयघोष के साथ डुबकी

एसएसपी हरिद्वार नवनीत भुल्लर का कहना है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के जरिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग और ट्रैफिक डायवर्जन की भी विशेष व्यवस्था लागू की गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था ना हो। वहीं हरिद्वार स्थित नारायणी शिला के मुख्य सेवक प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज त्रिपाठी के अनुसार हिंदू पंचांग के वैशाख मास की पूर्णिमा का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। इसे बुद्ध पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इसी पावन तिथि पर भगवान गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। यह तिथि हिंदू धर्म के साथ-साथ बौद्ध धर्म में भी अत्यंत पवित्र मानी गई है।

केदारनाथ में वीआईपी दर्शन के विरोध में तीर्थपुरोहितों का आक्रोश

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में अव्यवस्थाओं और वीआईपी दर्शन को लेकर तीर्थ पुरोहितों का पारा चढ़ गया। उन्होंने बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही वीआईपी गेट बंद करने की मांग उठाई। जिसका वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

केदारनाथ मंदिर परिसर में तीर्थपुरोहितों ने कहा कि वीआईपी कल्चर को तुरंत समाप्त किया जाए। उनका कहना है कि विशेष लोगों को दी जा रही प्राथमिकता से आम श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तीर्थपिरोहितों ने बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

❑उद्योगपति गौतम अडानी पहुंचे केदारधाम

बता दें कि बीकेटीसी और जिला प्रशासन का यह दावा है कि इस बार यात्रा में वीईआईपी कल्चर खत्म किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी यह कहते है कि सभी श्रद्धालु एक समान हैं, किसी को वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं दिया जाएगा। बावजूद इसके केदारनाथ धाम में प्रदर्शन की तस्वीरें यह बताने के लिए काफी है कि इन आदेशों का कितना पालन हो रहा है।

देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी ने आज सुबह केदारनाथ धाम में दर्शन किए। इस अवसर पर उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद रहीं। अपनी शादी की 40वीं वर्षगांठ के मौके पर दोनों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर आशीर्वाद लिया। अडाणी सुबह दिल्ली से देहरादून पहुंचे और वहां से निजी हेलिकॉप्टर के जरिए केदारनाथ धाम पहुंचे। वीआईपी आगमन को देखते हुए केदारनाथ धाम क्षेत्र में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन अलर्ट रहा। माना जा रहा है कि अडानी को दर्शन के लिए वीआईपी सुविधा प्रदान की गई, जिससे तीर्थपुरोहितों में नाराजगी व्याप्त है। केदारनाथ दर्शन के बाद अडानी ने प्रस्तावित सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना का हवाई सर्वे भी किया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।